सात सर्जरी बाद सामान्य होगी सोनाली

- अस्पताल भी देगा इलाज में तीस प्रतिशत की छूट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: नौ सालों से लगातार शारीरिक व मानसिक पीड़ा झेल रही सोनाली की जिंदगी सात सर्जरी के बाद काफी हद तक सामान्य हो जाएगी। दिल्ली के बीएल कपूर अस्पताल में उसकी पहली सर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी है। एक एनजीओ की मदद से सोनाली का उपचार किया जा रहा है। पूरे इलाज में लगभग 30 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। अस्पताल प्रशासन ने भी कुल खर्च में 30 फीसद तक छूट देने का आश्वासन दिया है।

गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डॉक्टर संजीव बगई ने बताया कि 18 वरिष्ठ डॉक्टरों का एक दल सोनाली के उपचार में जुटा है। सोनाली के टोटल फेशियल रिकंस्ट्रक्शन और मल्टी ऑर्गन इक्वॉल्वमेंट मल्टीपल सर्जरी में कम से कम 15 से 18 महीने लगेंगे। इस दौरान कुल सात ऑपरेशन किए जाएंगे। इसमें त्वचा की पुनर्रचना, सीरियल स्कैल्प एक्सपेंशन, सिर की त्वचा के भीतर एक्सपेंडर प्लेंसमेंट (ताकि बाद में केशरहित ग्राफ्टेड कर खोपड़ी को ढंका जा सके) शामिल है। प्लास्टिक सर्जन डॉ. एएस बाथ ने बताया कि सोनाली की आंखें बंद नहीं होती थी। जांघ से थोड़ी सी त्वचा लेकर उसकी दोनों आंखों की स्कीन ग्राफ्टिंग की गई। उसकी खोपड़ी के दाहिने हिस्से का एक तिहाई त्वचा झुलसी है। झुलसने की वजह से त्वचा काफी पतली हो गई है। यहां सिलिकॉन की मदद से स्किन टिश्यू को रीजनरेट किया जा रहा है। इसमें तीन महीने का समय लगेगा। अगली सर्जरी एक महीने बाद होगी। 22 अप्रैल, 200[illegible] को तीन युवकों ने धनबाद में घर के छत पर सो रही सोनाली के ऊपर तेजाब फेंक दिया, जिसमें वह बुरी तरह से झुलस गई थी। काफी संघर्ष के बाद भी जब उसके जख्म नहीं भरे, तब वह इच्छा मृत्यु की मांग लेकर दिल्ली पहुंच गई।

फाइल फोटो

> मैं एक बार फिर अपनी नई जिंदगी का सपना देख रही हूं। भगवान का वरदान है कि नौ सालों के कष्ट के बाद डॉक्टरों की टीम मेरी जिंदगी को फिर से संवारने में लगी हुई है। -सोनाली

बहरेपन की भी शिकार

डॉक्टर सुनील कथूरिया ने बताया कि सोनाली बहरेपन की भी शिकार है। कान के पर्दे की पुनर्रचना के लिए टाइमपैनोप्लास्टी सर्जरी की जाएगी। सुनने की क्षमता सुधारने के लिए मध्य कान की हड्डियों का ऑपरेशन ऑसिकुलोप्लास्टी किया जाएगा। डॉ. विकास मेनन ने बताया कि सोनाली की दाएं आंख की रोशनी पूरी तरह से खत्म हो गई है। बाईं आंख की रोशनी बची है। रोशनी बढ़ाने के लिए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किया जाएगा। डॉ.आर के सिंघल ने कहा कि सोनाली के हाइपोथायरॉइडिज्म को सप्लीमेंट की जरूरत है क्योंकि थाइराइड ग्रंथ पर्याप्त थाइराइड हार्मोन नहीं बना रही है। 27 साल की सोनाली का वजन लगभग 45 से 50 किलो होना चाहिए था, लेकिन अभी उसका वजन मात्र 35 किलो है।